

१ ममस्तु वज्रपायं सुरत की महाविद्या ॥ ३२६ ॥

१ उँ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नंदनागवाक्यं रुद्रं विदुर्बलिसमा ॥ श्रीमद्विदुर्बलिसमा ॥ श्रीमद्विदुर्बलिसमा ॥
 विदुर्बलिसमा ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

म

गवाऊनवाविशूकशरुवनवतागवाऊनवाजुवहासहोविनावतागवाऊनवासहामयविकुर्वधवतागवाऊनवास
हामयश्रुतनवनतागवाऊनवासयजिर्नवनतागवाऊनवाससंरुवनवनतागवाऊनवासववववतागवाऊनवास
उल्कापारुनवनतागवाऊनवाजुकालगाकिर्नवनतागवाऊनवागर्नसवधवतागवाऊनवासविशूकमावनन
वनतागवाऊनवासधविषवधवनतागवाऊनवासपुनवनतागवाऊनवासदधवनवनतागवाऊनवासविशान
नवनवनतागवाऊनवासहामयगकिर्नवनतागवाऊनवासहद्वद्वपुनवनतागवाऊनवाधीर्नवनवनतागवाः

य

१

ऊनगाऊननवनवनतागवाऊनवापोलुनवनतागवाऊनवाधीधववनतागवाऊनवादंदरिखववनतागवाऊनवादंद
रिनिनीदविगकिर्नसवधवनतागवाऊनवाकंवववनतागवाऊनवाआकधवनतागवाऊनवाधीकलुनवनता
गवाऊनवाधीरुधवनवनतागवाऊनवामहागुरुगुरुधवनवनतागवाऊनवाकिलिकिलिधवनवनतागवाऊनवापुसु
ठकवनवनतागवाऊनवाससुवनवनतागवाऊनवामहावाकविकुर्विर्नवनतागवाऊनवासमय
नंदिकवनवनतागवाऊनवामयसंरुपकुलवनवनतागवाऊनवासंरुदिनवनवनतागवाऊनवाविकीठिर्नवनवनतागवाऊन

५

मूढमयेऽसंछन्नंगगणकवसाधिविस्तृतमयपलंवमानदिवापृथपववमूकिकाकावसयमयेऽनानागंहीनव
 क्वविकृतिगाधिविज्ञानसुबनिर्धाषसमूढमयेऽगथागगाविलायूरुगुणलंकालंकारविविक्तसंघेयडाहामहावत
 वारुसमूढसंघेऽसंछन्नंगगणकवसाधिविज्ञानसहाभयविक्रगेवहसमध्वनिर्धाषसमूढमयेऽनानावतदिव्यवि
 गानयनस्यवसमूढमयेऽसर्वपट्टिगणवकमहापृथवृष्टियमूकनमहासयमयेऽमहासमूढमयमहानिर्धाषः
 दिव्यवतपलंवमानविविक्तमूकयानसमूढमयेऽसर्वभुक्तपुणिमल्लिकमहाविधाननक्षिखवगगणसंछादनय

य ३

三

गमहासमूहमयेशावेवेकवत्संज्ञां पेरामलुलगागनसंज्ञादनकहालसमूहमयेशाअवलासनमहासमूहमयेशाग
गद्यमालिच्छादययुसर्वनागवाजानआगच्छंतुयाब्दमसिन्धुपित्रीमलुलगाऊवर्षलुहंदहंदय्यमहाविद्यदहा
द्यमूकलुद्यदनांमासंयनंनंउदयंभागुदगुलायंनमहातानानागगद्यमदियानमहासद्यानिआवयंभागमहा
द्यावयउसद्यासंपवषधंऊवदीपस्वाहायाद्यदशदिदिशरुउशगुउशगिदिशनगशवदशपदशलीलानागमहातानाग
४आगच्छथशधधधधशहाहाहाहाहोहीहंहंहंहमहामद्यनामदनदनामहातानपमवनावषधवृद्धसत्यनरुज

म

वृद्धीपस्त्रादावाला नाग बाजानं सर्वनामानां संवादयामि वषथं ऊ वृद्धीपस्त्रादावाय उ दू २ द्वा द्वा रु रु संघटय थ
म द्वा नागम ए धि वि मं ल प व र्ध धं दू २ के लि २ वि वि र मि डि २ दि वि २ कि ल २ स व कृ ना धि प रि प र य थ स व क्षा णा
नि व कृ रु द ग तु ल्मा व धी प र्वा द यं उ मे व ण ग द्ध थ ॥ वृद्ध स स्य न ध म स स्य न संघ स स्य न व कृ पा नि स स्य न सर्व ना ग ना
स स्य न न व २ म द्वा ना ग म ४ स्त्रा दा वा पा द ना ग बा जा नं संक्ष द या मि वृद्ध स स्य न ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा धी कं जा ना रा
जा नं सं वा द या मि ध म स्य न ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा अ नं क ना ग बा जा नं सं वा द संघ स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा

यामि

वा शु के ना ग बा जा नं सं वा द या मि वा व कृ पा नि स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा क रू कं ना ग बा जा नं संक्ष यो दे मि वा
व कृ पा नि स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा धी कं ना ग बा जा नं संक्ष द या मि वृद्ध स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा
दा वा व र्ध ना ग बा जा नं सं वा द या मि वि कृ स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा रा लि नं ना ग बा जा नं सं वा द या मि वृ
द स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा य ल्ठ नं ना ग बा जा नं सं वा द या मि य कृ स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा अ
न व कृ क ना ग बा जा नं संक्ष द या मि वा कृ स स्य न रु ऊ वृद्धी प य व र्ध थ स्त्रा दा वा स व ना ग म उ य प रि स स्य न रु व र्ध थः

म

॥ वन्द्यस्वरूपकावृषि (हस्ताक्षराणां वैवर्कलक्ष्मि) कस्य कस्य नगलिवन्तकार्यः ॥ पृथग्भवन्तस्मिन् न के क न व काः
विभनना अयं वा न म धु लिय विवर्कः ॥ सर्वनामानां हृदयं नाम न्ययं वा वधि न वा ॥ अयवस्तिन्नं निसफाहं ॥ (यममय
नपृथ्वां दिशि विधीषानामनागवाजास्य विवावा आलिवि न वा ॥ दक्षिणस्यां दिशि पक्ष्मीषः ॥ पृथ्वाटनामनाः
गवाजां स्य विवाला आलिवि न वा ॥ दक्षिणस्यां दिशि अत्र ह्यसमक्षिषानागवाजास्य पक्ष्मीषां नाम पविवाव न लि
वि न वा ॥ उरुवक्षस्य संवादनानामनागवाजानवक्षीषां विवाययि न वा ॥ स्य विवाव ॥ नीववीमानवक्षु नीलध्वः

य १

कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥
विवापवि न वा ॥ ववधर्वां स्य वधु अन्त्या कस्य कसा ॥ अन्त विवृत्त काल सला लया ॥ स्वस्ति का ला विवाव न
सत्समान् स न था मधु रुका दिवदि ध्या निवा उदा व (श्वा न वलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥ कस्य चो नोलावलिः ॥
या हर्कं सम्यक् वक्षाय ॥ नमो ह गवर्क मय मालिन क था गगाया हर्कं सम्यक् वक्षाय ॥ नमो ह गवर्क मय विकि श्रुयः
क था गगाया हर्कं सम्यक् वक्षाय ॥ नमो ह गवर्क मय स वाय क था गगाया हर्कं सम्यक् वक्षाय ॥ नमो ह गवर्क मय सः

कायनथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो हगवक मयस्वनाय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो हगवक मय
 दंकाय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो हगवक मय विनकै दकाय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो
 म हगवक मय मा लाय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो हगवक मय गकि काय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ च ६
 ॥ नमो हगवक मय यनि नादि काय नथगगायार्हकसम्यक्कं वच्चाय ॥ नमो हगवक मां स्त्रि हवतु सर्व सत्त्वा नां मेः
 गी हवतु सर्व रुग्ण रुयं हवतु सर्व नित्यं न नां साम्यं तु सर्व दूरं कय ॥ नमो सर्व जीव न वि कै रि । हसिध स्वयं सर्व
 ४

नथगगावे वि ११ सर्व वच्चा वला के न वि वि ११ नथगगा ॥ हट्ट स्वाहा गाय ४ कवि ग हिल सान ४ रे कृ वा रे कृ णी वा ॥ उ
 या सका वा उ पा णी का वा ॥ शु वि व रु या वै ४ मे न वि कृ ०० मा नि न थ नो गे नां मा नि लि दि त्वा शु वि नां आ स न स्त पः
 यित्वा स फ धू प क ट्ट क म लि य दा का म ॥ य क्ष स फ वा नो रु थ ग ग ना मा नि य वि व रु य रु ॥ म रु नि य जां क त्वा अ ना व
 १० स फा रु मा न्य व छि नं प्र व रु यि ग य द वा व वि य नि ॥ ॥ ०० कि म हा म द्या त्म हा या न स ग द्वा क म रु ली प लि व रु
 ४ य क्ष व छि न म ४ स मा य ४ ॥ शु रं मं स वा हा व या णी व जी वा यो म नि नं वि वि यि ता शु रं वा म स धं वा स र दा य नाः ॥
 ४ य क्ष व छि न म ४ स मा य ४ ॥ शु रं मं स वा हा व या णी व जी वा यो म नि नं वि वि यि ता शु रं वा म स धं वा स र दा य नाः ॥

॥ स कृत्स्नान्नानं वा रुया न सा यश्च सादा पाय वा कुरु वा ॥ पुट ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 पूज्य महावीर्य महाव्रत वा कुरु मं ॥ महादल महाकायं च कुरु मंगलान्नं ॥ सततं वरुण महादेव ॥ कुरु मंगलान्नं नैयकं ॥ अकृमात्मा स्वयं कुरु ॥
 कुरु कुरु संस्मृतं ॥ यत्र सुमय पादुका मरुत्त विष्णु रंगं ॥ नाना नायकं च साधवं नाना गन्धर्वपिणं ॥ नाना यक्षपविमानं ॥ नाना विद्युविना
 सनं ॥ यदा स वसनं यथा सिद्धि गन्धर्व किन्नरैश्च ॥ यदा विमं विप्रहं न रं म ॥ यदा वरं नमाम्यहं ॥ ॥ ॐ ह्रीं वज्रं कुरु कुरु नमं हं ॥ वराय य ॥ हं
 किं निजा वसं च सादा ॥ अमम क म क ॥ ॥ ॐ वरं कुरु कुरु ॥ मिनिश्चाहो सु आवाहन सुवान म कुरु ॥ ॐ वज्र वनि म